Shri Deviji Ki Aarti - Jaijanani Jai Jai Lyrics in Hindi English

Shri Deviji Ki Aarti - Jaijanani Jai Jai Lyrics in Hindi

जगजननी जय ! जय !!
माँ ! जगजननी जय ! जय !!
भयहारिणि, भवतारिणि,
माँ भवभामिनि जय ! जय ॥
जगजननी जय जय.. ॥

तू ही सत-चित-सुखमय,
शुद्ध ब्रह्मरूपा ।
सत्य सनातन सुन्दर,
पर-शिव सुर-भूपा ॥
जगजननी जय जय.. ॥

आदि अनादि अनामय,
अविचल अविनाशी ।
अमल अनन्त अगोचर,
अज आनँदराशी ॥
जगजननी जय जय.. ॥

अविकारी, अघहारी,
अकल, कलाधारी ।
कर्त्ता विधि, भर्त्ता हरि,
हर सँहारकारी ॥
जगजननी जय जय.. ॥

तू विधिवधू, रमा,
तू उमा, महामाया ।
मूल प्रकृति विद्या तू,
तू जननी, जाया ॥
जगजननी जय जय.. ॥

राम, कृष्ण तू, सीता,
व्रजरानी राधा ।
तू वांछाकल्पद्रुम,
हारिणि सब बाधा ॥
जगजननी जय जय.. ॥

दश विद्या, नव दुर्गा,
नानाशस्त्रकरा ।
अष्टमातृका, योगिनि,
नव नव रूप धरा ॥
जगजननी जय जय.. ॥

तू परधामनिवासिनि,

महाविलासिनि तू ।
तू ही श्मशानविहारिणि,
ताण्डवलासिनि तू ॥
जगजननी जय जय.. ॥

सुर-मुनि-मोहिनि सौम्या,
तू शोभाऽऽधारा ।
विवसन विकट-सरुपा,
प्रलयमयी धारा ॥
जगजननी जय जय.. ॥

तू ही स्नेह-सुधामयि,
तू अति गरलमना ।
रत्नविभूषित तू ही,
तू ही अस्थि-तना ॥
जगजननी जय जय.. ॥

मूलाधारनिवासिनि,
इह-पर-सिद्धिप्रदे ।
कालातीता काली,
कमला तू वरदे ॥
जगजननी जय जय.. ॥

शक्ति शक्तिधर तू ही,
नित्य अभेदमयी ।
भेदप्रदर्शिनि वाणी,
विमले ! वेदत्रयी ॥
जगजननी जय जय.. ॥

हम अति दीन दुखी माँ !,
विपत-जाल घेरे ।
हैं कपूत अति कपटी,
पर बालक तेरे ॥
जगजननी जय जय.. ॥

निज स्वभाववश जननी !,
दयादृष्टि कीजै ।
करुणा कर करुणामयि !
चरण-शरण दीजै ॥
जगजननी जय जय.. ॥

जगजननी जय ! जय !!
माँ ! जगजननी जय ! जय !!
भयहारिणि, भवतारिणि,
माँ भवभामिनि जय ! जय ॥
जगजननी जय जय.. ॥

Shri Deviji Ki Aarti – Jaijanani Jai Jai Lyrics in English

Jagjanani Jai! Jai!!
Maa! Jagjanani Jai! Jai!!

Bhayhaarini, Bhavtaarini,
Maa Bhavbhaamini Jai! Jai!
Jagjanani Jai Jai..

Tu hi sat-chit-sukhmayi,
Shuddh Brahmarupa.
Satya sanatan sundar,
Par-Shiva sur-bhoopa.
Jagjanani Jai Jai..

Aadi anadi anamay,
Avichal avinaashi.
Amal anant agochar,
Aj andrashashi.
Jagjanani Jai Jai..

Avikaari, aghahaari,
Akala, kalaadhari.
Karta vidhi, bharta hari,
Har sanhaarkari.
Jagjanani Jai Jai..

Tu vidhiwadhhu, rama,
Tu uma, mahaamaya.
Mool prakriti vidya tu,
Tu janani, jaya.
Jagjanani Jai Jai..

Ram, Krishna tu, Sita,
Vrajrani Radha.
Tu vanshaakalpadruma,
Haari sab baadha.
Jagjanani Jai Jai..

Dash vidya, nav durga,
Naanshastrkara.
Ashtamatrika, yogini,
Nav nav roop dhara.
Jagjanani Jai Jai..

Tu paradhaamnivaasini,
Mahavilasini tu.
Tu hi shamshanvihaarini,
Taandavlasini tu.
Jagjanani Jai Jai..

Sur-muni-mohini saumy,
Tu shobhaa’dhaara.
Vivsana vikat-sarupa,
Pralaymayi dhaara.
Jagjanani Jai Jai..

Tu hi sneh-sudhaayi,
Tu ati garalmana.
Ratnavibhushit tu hi,
Tu hi asthi-tana.
Jagjanani Jai Jai..

Mooladhar-nivaasini,
Ih-par-siddhiprade.
Kaalateeta kaali,
Kamala tu vade.
Jagjanani Jai Jai..

Shakti shaktidhar tu hi,
Nitya abhedmaye.
Bhedpradarshini vaani,
Vimle! Vedtrayi.
Jagjanani Jai Jai..

Hum ati deen dukhi maa!
Vipat-jaal ghere.
Hain kapoot ati kapati,
Par baalak tere.
Jagjanani Jai Jai..

Nij swabhavash janani!
Dayadrishti kijai.
Karuna kar karunamayi!
Charan-sharan dijai.
Jagjanani Jai Jai..

Jagjanani Jai! Jai!!
Maa! Jagjanani Jai! Jai!!
Bhayhaarini, Bhavtaarini,
Maa Bhavbhaamini Jai! Jai!
Jagjanani Jai Jai..

About Shri Deviji Ki Aarti – Jaijanani Jai Jai Bhajan in English

"Shri Deviji Ki Aarti – Jaijanani Jai Jai" is a heartfelt and powerful devotional bhajan dedicated to Goddess Durga, also known as Jagjanani, the Mother of the Universe. This aarti praises her infinite grace, power, and compassion, invoking her blessings for the well-being and prosperity of her devotees. The bhajan is a deep expression of devotion, highlighting the goddess's role as the remover of obstacles and the protector of her followers.

The lyrics describe Goddess Durga in various divine forms, emphasizing her omnipresence and her role as the supreme protector of the universe. She is praised as the embodiment of pure consciousness and bliss, and as the one who transcends all forms of suffering. The aarti acknowledges her as the source of all creation and destruction, who maintains balance in the universe.

As the bhajan progresses, it describes the Goddess as being merciful and compassionate, answering the prayers of her devotees and bestowing peace, strength, and spiritual guidance. The devotees

sing this aarti to seek her divine protection and blessings, asking her to guide them through life’s challenges. The repetitive chorus “Jaijanani Jai Jai” reflects the devotees’ deep reverence, expressing their unwavering faith in the Goddess’s power and her ability to grant their wishes.

About Shri Deviji Ki Aarti – Jaijanani Jai Jai Lyrics in Hindi

“श्री देवीजी की आरती – जैजननी जय जय” भजन के बारे में

“श्री देवीजी की आरती – जैजननी जय जय” एक अत्यंत श्रद्धापूर्ण और भक्ति से भरा भजन है, जो मां दुर्गा (जगजननी) की पूजा करता है। इस भजन में देवी के विभिन्न रूपों की महिमा का बखान किया गया है और उनके आशीर्वाद के लिए प्रार्थना की जाती है। यह भजन मां दुर्गा की शक्ति, कृपा और अनंत आशीर्वादों को व्यक्त करता है, जो अपने भक्तों के जीवन में सुख, समृद्धि और सुरक्षा लाती हैं।

भजन के बोल मां दुर्गा को शुद्ध ब्रह्मरूप, अचंचल, और अविनाशी के रूप में प्रस्तुत करते हैं। देवी को संसार के कष्टों और भय से मुक्त करने वाली, सभी प्रकार के रोगों और दुखों को समाप्त करने वाली और जीवन के सभी संकटों से छुटकारा दिलाने वाली कहा गया है। भजन में मां के विभिन्न रूपों का वर्णन है, जैसे वह पातालवासिनी, श्मशानविहारिणी, और प्रलयमयी हैं।

यह भजन देवी की स्तुति करते हुए, भक्तों को उनके आशीर्वाद और संरक्षण की प्राप्ति की कामना करता है। “जैजननी जय जय” का उद्घोष देवी की शक्ति और भक्तों के प्रति उनकी कृपा को व्यक्त करता है। भजन भक्तों को देवी की महिमा को पहचानने और उनके चरणों में समर्पित रहने की प्रेरणा देता है।